



पिछले 3 साल में देश के नागरिक उड्डयन क्षेत्र शानदार उपलब्धि और विस्तृत विकास के साथ भारत दुनिया का तीसरा बड़ा उड्डयन बाजार बनकर उभरा

हवाई टिकट में औसतन 18 प्रतिशत कमी से हवाई यात्रा हुई और सस्ती

Posted On: 02 JUN 2017 5:08PM by PIB Delhi

पिछले 3 वर्षों के दौरान भारत में नागरिक उड्डयन उद्योग देशभर में तेजी से आगे बढ़ते हुए उद्योगों में से एक उद्योग के रूप में उभरा है। घरेलू यात्रियों की संख्या 2014 में 6.1 करोड़ की जगह 2016-17 में 19 प्रतिशत वृद्धि के साथ 10 करोड़ हो चुकी है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नागरिक उड्डयन बाजार बन चुका है, साथ ही इसके और ज्यादा आगे बढ़ने की संभावना है। सबसे बड़ी बात है कि ये वृद्धि देश के भीतर से आई है। इस वृद्धि की वजह है क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना - उड़ान, जिसने सुदूर इलाके के आम आदमी के लिए भी हवाई यात्रा को संभव बना दिया है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री पी गजपति राजू के मुताबिक उनके मंत्रालय राष्ट्रीयद्वारा नागरिक उड्डयन नीति 2016 की मदद से उड्डयन तंत्र को नया रूप दिया जा रहा है ताकि हवाई यात्रा सबके लिए सुगम और पहुंच में हो सके। केंद्रीय मंत्री पिछले 3 साल की अपनी कामयाबियों को लोगों के बीच लाने के लिए दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन कर रहे थे। इस मौके पर नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री श्री जयंत सिन्हा भी मौजूद थे।

श्री गजपति राजू ने कहा कि 2016-17 के दौरान टिकट की दर औसतन 18 प्रतिशत घटी है, जिससे आम आदमी के लिए उड़ान भरना आसान हो गया है। घरेलू निर्धारित उड़ानों की संख्या भी 2014 में 7 लाख से 8.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2016 में 8.2 लाख हो गई। भारतीय उड़ान सेवाओं के लिए 2014 में 395 जहाज थे जिनकी संख्या बढ़कर अब 496 हो चुकी है, जबकि 654 और जहाजों को खरीदने पर काम चल रहा है।

क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना - उड़ान, मंत्रालय की सबसे कामयाब उपलब्धि रही है। 31 संचालित, 12 संचालन के लिए तैयार हो रहे और 27 बंद पड़े हवाई अड्डे अब देश के 128 हवाई रास्तों से सीधे जुड़ चुके हैं। उड़ान के पहले दौर में 205 करोड़ की लागत से 50 हवाई अड्डों का नवीनीकरण और 13 लाख नई उड़ान सीट जोड़ने का काम किया जा रहा है।

इस मौके पर मंत्रालय के 3 साल की उपलब्धियों की एक पुस्तिका भी जारी की गई, जिसकी छाया प्रति पाने के लिए आप नीचे की लिंक पर जा सकते हैं।

[Click here for link1.](#)

[Click here for link2.](#)

[Click here for link3.](#)

जीवार्ड/पीकेटी/जीआरएस-1597

(Release ID: 1491649) Visitor Counter : 13

